हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 27 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 33 .5 डिग्री
न्यूनतम 20 .5 डिग्री

11 प्रकृति के श्रृंगार का पर्व लोक उत्सव हरियाली तीज सभी के मन को भाव विभोर

12 सैनिक स्कूल में अंतर सदनीय पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन, परेरा सदन बना विजेता

खबर संक्षेप

ग्राम सचिव आरती ने भूगोल में पास की नेट परीक्षा

रेवाड़ी। खंड डहीना के गांव लिसान निवासी आरती ने भूगोल विषय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से आयोजित नेट की परीक्षा पास की है। सामान्य परिवार से संबंधित आरती ने नेट परीक्षा पास कर गांव के बच्चों के लिए एक प्रेरणानात्मक पहल की शुरूआत की है। कुमारी आरती ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी मां लता देवी एवं पिता राकेश कुमार को दिया है। आरती वर्तमान में जिला रेवाड़ी में ग्राम सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इस सफलता पर शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों ने आरती का सम्मान किया। गांव लिसान से उमेद सिंह डीपीई, सहायक राकेश कुमार, प्रवक्ता कैलाश चंद, श्रीभगवान बव्वा, शिक्षक मुकेश कोहारड, डा. भूदेव रंगा, मदन लाल, अमर सिंह नंबरदार, धर्मवीर एवं गजे सिंह ने आरती को बधाई दी है।

आरती

मारपीट व धमकी देने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने मूंदी में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर 6 को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने मूंदी निवासी अजीत व संजय को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

तीन मामलों में वांछित आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना कसोला पुलिस ने मारपीट व धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के पक्ष बयान पर 24 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने शहबाजपुर खालसा निवासी संदीप को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ कसोला और मॉडल टाउन थानों में आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत पहले भी केस दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने गत 23 जून को धारूहेड़ा के पास मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति के बयान पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने अलावलपुर निवासी विजय, भटसाना निवासी पवन, महेश्वरी निवासी सुहेल सैफी और खलियावास निवासी रणजीत को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से सोनेट कार व बांस के तीन डंडे बरामद किए गए हैं।

टूटी सड़क को ठीक कराने की मांग

रेवाड़ी। भाड़ावास रोड पर जाटूवास गांव के पास टूटी सड़क हादसों का कारण बन रही है। दिनेश, राजपाल, मुकुल, अरविंद व राजेश आदि ने बताया कि भाड़ावास रोड फ्लाईओवर से गांव की ओर जाते समय बाइपास फ्लाईओवर के नीचे सड़क बुरी तरह टूटी हुई है। बारिश के बाद सड़क में पानी एकत्रित हो जाता है, जिससे दुपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। इन लोगों ने लोक निर्माण विभाग से सड़क की तुरंत रिपेयर कराने की मांग की है, ताकि हादसा होने से टल सके।

पहले दिन दो सत्रों में 36710 में से 34672 ने दिया कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट, 2038 नहीं पहुंचे परीक्षा केंद्र

सीईटी के लिए परीक्षा केंद्रों पर शटल सेवा के पुख्ता इंतजाम, पेपर छूटने के बाद ट्रैफिक जाम में फंसी एंबुलेंस

रेवाड़ी। दिव्यांग परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र ले जाती कर्मचारी, परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते डीसी व एसपी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। अग्रसेन चौक पर लगे जाम में फंसी एंबुलेंस। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। जैन स्कूल के परीक्ष केंद्र के बाहर लगी भीड़। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से शनिवार को ग्रुप-सी के कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानि सीईटी के पहले दिन परीक्षा केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम किए गए। जिले में 70 परीक्षा केंद्रों पर सीईटी संचालित की गई। जिले में महेन्द्रगढ-नारनौल के अभ्यर्थियों ने सुबह व शाम की दो शिफ्टों में एग्जाम दिया। महेन्द्रगढ से पहुंचे अभ्यर्थियों को बिठवाना मंडी से शटल सेवा देकर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया गया, वहीं रेवाड़ी से गुरुग्राम व झज्जर जिले में सीईटी देने गए परीक्षार्थियों को सुबह 4 बजे से बस स्टैंट सहित जिले में बनाए गए कलस्टर स्थलों से बसों की फ्री सुविधा दी गई। परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे परीक्षार्थियों की पूरी जांच के बाद ही एंटी दी गई। परीक्षार्थियों के जूते खुलवाकर चेकिंग की गई। महिला अभ्यर्थियों की चूड़ियां, पायजेब, घडी व हाथों में बंधे धागे तक उतरवाकर एंट्री दी गई। सुबह के समय जहां सरकुलर रोड पर व्यवस्था ठीक रही वहीं, पहली शिफ्ट का पेपर छूटने के बाद जाम की स्थिति बन गई। सरकुलर रोड स्थित अग्रसेन चौक के पास जाम में एंबुलेंस को भी निकलने में काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

जिले में सीईटी के लिए 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिसमें सुबह के सत्र में 18355 में से 17238 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1017 अनुपस्थित थे तथा शाम के सत्र में 18355 में से 17334 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी,जबकि 1021 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों सत्रों में 36710 अभ्यर्थियों में से 34672 हाजिर व 2038 गैर हाजिर थे। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों को कड़ी जांच से गुजरना पड़ा तथा एंट्री गेट पर ही बायोमैट्रिक, होलोग्राम व आंखों की पुतली के मिलान के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों में एंट्री दी गई।

परीक्षा को लेकर हरियाणा लोक सेवा आयोग व जिला प्रशासन की ओर से पुख्ता सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इसके अलावा फ्लाइंग टीम ने भी परीक्षा केंद्रों की जांच की।

रेवाड़ी। फ्री बस में परीक्षा देने जाते अभ्यार्थी, रेवाड़ी। अहीर कॉलेज से परीक्षा देकर निकलते परीक्षार्थी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। सुबह की शिफ्ट की परीक्षा छूटने के बाद सरकुलर रोड पर लगा जाम। फोटो :हरिभूमि

दो सत्रों में 70 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा

सीईटी दो सत्रों में आयोजित कराई गई। प्रशासन की ओर से परीक्षा के लिए 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रातः कालीन सत्र में परीक्षा प्रातः: 10 बजे से दोपहर 11:45 बजे तक तथा सायं कालीन सत्र में दोपहर बाद 3:15 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की गई। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर, चेकिंग प्वाइंट सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए गए। इसके अलावा कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया। सीईटी के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटो स्टेट सहित सभ्सी दुकानें बंद रही। यहां तक कि दो दिन के सभी कोचिंग सेंटर भी बंद रहेंगे।

दिव्यांग परीक्षार्थियों को घर पर उपलब्ध कराए वाहन

जिला प्रशासन की ओर से सीईटी परीक्षा के दिव्यांग परीक्षार्थियों को घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस घर छोड़ने के लिए वाहन सेवा व्यवस्था की गई। परीक्षार्थियों ने भी इस व्यवस्था के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन का धन्यवाद किया। शनिवार को जिले में दोनों सत्रों में कुल 23 दिव्यांगजन परीक्षार्थियों ने प्रशासन की हेल्पलाइन के माध्यम से परीक्षा केंद्र तक जाने की सुविधा के लिए स्वीकृति दी थी। प्रशासन ने सभी दिव्यांगजनों को उनके घर पहुंचकर परीक्षा केंद्र तक वाहन से ले जाकर परीक्षा उपरांत वापस घर छोड़ा।

बस स्टैंड व शटल सेवा के सही इंतजाम

सीईटी के लिए बस स्टैंड व बिठवाना मंडी में शटल सेवा के सही इंतजाम देखने को मिले। सुबह जिले के अभ्यर्थियों के लिए गुरुग्राम व झज्जर के लिए बसें रवाना की गई। रोडवेज डिपो व आरटीए की ओर से अभ्यर्थियों के लिए हरियाणा रोडवेज, सोसायटी व स्कूलों की 500 से अधिक बसों व्यवस्था की गई थी। रोडवेज जीएम प्रदीप अहलावत की ओर से अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रत्येक बूथ पर अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।

पेपर छूटने के बाद बनी जाम की स्थिति

प्रशासन की ओर से सीईटी के लिए परीक्षा केंद्रों के पुख्ता इंतजाम किए गए वहीं यातायात व्यवस्था संभालने के लिए भी ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। शनिवार को सुबह पहली शिफ्ट का पेपर शुरू होने के समय सरकुलर रोड पर यातायात व्यवस्था ठीक रही, लेकिन पेपर छूटने के बाद सरकुलर रोड पर जाम लगने से ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ी गई। शहर के सरकुलर रोड पर बस स्टैंड के सामने, धारूहेड़ा चुंगी से लियो चौक, नाईवाली चौक से अग्रसेन चौक, अनाजमंडी रोड व कानोड गेट से झज्जर चौक तक वाहन जाम में फंसे रहे। जाम के कारण अग्रसेन चौक पर एंबुलेंस सहित अभ्यर्थियों के वाहन भी फंसे रहे। सीईटी शाम के सत्र का पेपर छूटने पर देर रात तक शहर में चारों तरफ जाम के हालात बने रहे।

शटल सेवा में चढ़ते हुए परीक्षार्थी

नाबालिग छात्रा से अश्लील हरकत करने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव स्थित स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गत 24 जुलाई को एक निजी कंपनी में काम करने वाले छात्रा के पिता ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह धारूहेड़ा क्षेत्र के एक गांव में किराए के मकान में रहता हैं। उनकी बेटी क्षेत्र के एक गांव स्थित एक स्कूल में 5वीं कक्षा में पढ़ती है। 23 जुलाई को उनकी बेटी स्कूल में समय से पहले पहुंच गई थी। उस समय अन्य विद्यार्थी स्कूल में मौजूद नहीं थे। स्कूल में एक शिक्षक ने बच्ची को अपने कार्यालय में बुलाकर दरवाजा बंद कर लिया और उसके साथ अश्लील हरकत की। बच्ची की सहेली के दरवाजा खटखटाने पर शिक्षक ने उसे छोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

घर बैठे पैसा कमाने के लालच में लाखों रुपये की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने प्रतिदिन पैसा कमाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम का कुछ हिस्सा जमा कराया गया था। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया। गत 5 फरवरी को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बावल के सेक्टर-2 में रहने वाले मूल रूप से राजस्थान के गंगानगर निवासी हर्ष भार्गव ने बताया था कि उसके पास 25 जनवरी को एक मैसेज आया था, जिसमें पर-डे जॉब इन्कम के बारे में पूछा गया। उसे कुछ होटलों से रिव्यू करने व क्वाइनडेक्स पर इन्वेस्ट करने के लिए कहा गया। इस कार्य को करने के लिए उसका टेलीग्राम पर साक्षी गोयल और अरमान मिश्रा नामक दो लोगों से संपर्क कराया गया। अरमान मिश्रा ने उसे एक गुरप से जोड़ दिया, जिसमें तीन लोग पहले से जुड़े हुए थे। उसे एक टास्क करने के लिए 7 हजार रुपये इन्वेस्ट करने के लिए कहा गया। उसने यह राशि ट्रांसफर की तो बताया गया कि उसका खाता फ्रीज हो गया। उसे बताया गया कि खाता अनफ्रीज करने के लिए उसे पैसे देने पड़ेंगे। उसने चार ट्रांजेक्शन के जरिए 163600 रुपये ट्रांसफर कर दिए। बताया गया कि विद्ड्राल टास्क गलत होने के कारण उसका खाता फ्रीज हो गया है। उसे अभी 320612 रुपये और भेजने होंगे।

आरोपी रिंकेश मीणा

■ आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम का कुछ हिस्सा जमा कराया गया था

क्रेडिट स्कोर बढ़ाने के लिए मांगे 5.58 लाख

इसके बाद उससे केरडिट स्कोर बढ़ाने के लिए 5.58 लाख रुपये और जमा कराने को कहा, तो उसे ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के थूमा निवासी रिंकेश मीणा को गिरफ्तार किया है। उसके खाते में ठगी की रकम के 7 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस मामले के अन्य आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

हवा में नमी के चलते बढ़ रही उमस, कमजोर पड़ने लगा मानसून

बूंदाबांदी के बाद तापमान में गिरावट, गर्मी से राहत नहीं मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शुक्रवार की रात व शनिवार तड़के जिले के कई खंडों में हल्की बरसात व बूंदाबांदी हुई। बाद में मौसम साफ हो गया। तेज धूप निकलते ही उमस भरी गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया। शाम के समय आसमान में छाए बादलों के बीच कई इलाकों में फिर से बूंदाबांदी हुई। मानसून कमजोर पड़ने के कारण तेज बरसात नहीं हो रही है, जिससे उमस भरी गर्मी से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। शनिवार सुबह करीब 5 बजे कुछ इलाकों में हल्की बरसात हुई, तो कुछ इलाकों में बूंदाबांदी के बाद आसमान साफ हो गया। अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 33.5 डिग्री पर आ गया, जबकि न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री की कमी के साथ 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 60 फीसदी तक रहा, जबकि हवा की गति 8 किमी प्रति घंटा रही। सुबह 10 बजे के बाद से ही धूप निकलने के बाद वातावरण में उमस बन गई। चिपचिपाहट भरी गर्मी ने लोगों को पसीने में भिगोए रखा। कूलरों की हवा उमस भरी गर्मी में काम करना बंद कर देती है, जिससे लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ता है। शाम के समय एक बार फिर आसमान में बादल गहराने के बाद कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग के अनुसार मानसून कमजोर पड़ने से भारी वर्षा नहीं हो रही है। मौसम एक सप्ताह तक इसी तरह का बना रह सकता है। आने वाले सप्ताह के मध्य में तेज बारिश की संभावना है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। एक खेत में फव्वारे से सिंचाई होते हुए। फोटो :हरिभूमि

खेतों में फिर चलने लगे फव्वारे

लगभग एक सप्ताह से अच्छी बारिश नहीं होने व गर्मी बढ़ने के कारण किसानों के लिए फसलों की सिंचाई करना जरूरी हो गया है। कपास और बाजरे की सिंचाई के लिए खेतों में एक बार फिर से फव्वारे चलने शुरू हो गए हैं। कपास की फसल में फूल आने शुरू हो गए हैं। बाजरे की अगते फसल में भी दाना बनना शुरू हो गया है। मौसम अनुकूल रहने के कारण दोनों फसलों पर रौनक छाई हुई है। अच्छा फसल उत्पादन होने की संभावना बनी हुई है। अगर एक बार फिर से अच्छी बारिश होती है, तो इससे किसानों को सिंचाई से छुटकारा मिल जाएगा।

खेल नर्सरियों के खिलाड़ियों की लगेगी बायोमैट्रिक हाजरी

रेवाड़ी। खेल विभाग पंचकूला के निर्देशानुसार जिले में संचालित खेल नर्सरियों में खिलाड़ियों की बायोमैट्रिक मशीन से हाजरी लगवाई जाएगा। विभाग की ओर से सरकारी संस्थानों तथा ग्राम पंचायतों को अलॉट की सभी खेल नर्सरियों के खिलाडियों की 15 अगस्त से बायोमैट्रिक मशीन पर हाजरी लगवाई जानी हैं, जिसके लिए बायोमैट्रिक मशीन संबंधित संस्था की ओर से ही खरीदी जाएगी। जिला खेल अधिकारी ने कहा कि जिले में जिन शिक्षण संस्थाओं व ग्राम पंचायतों की ओर से खेल नर्सरियां चलाई जा रही है, वे बायोमैट्रिक मशीन का प्रबंध करके 15 अगस्त से सभी खिलाड़ियों की हाजरी लगवाना सुनिश्चित करें। नर्सरी पोर्टल पर हाजरी एप के माध्यम से बायोमैट्रिक मशीन पर लगाई जाएगी।

पांच साल में पैसों को डबल, ट्रिपल करने वाले सात फंड, निवेशकों को बड़ा फायदा

- हाइब्रिड कैटेगरी की स्कीम्स ने इक्विटी को दी कड़ी टक्कर
- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स ने 5 साल में दिया बढ़िया रिटर्न
- निवेशकों के पैसों को दो से तीन गुना तक कर दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स से हाई रिटर्न हासिल करने की बात हो तो आम तौर पर हमारा ध्यान इक्विटी स्कीम की तरफ ही जाता है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स की एक कैटेगरी ऐसी है, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देने के मामले में इक्विटी फंड्स को टक्कर दे सकती है। ये कैटेगरी है डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स यानी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की। इस कैटेगरी के टॉप 7 फंड्स ने 5 साल में निवेशकों के पैसों को डबल-ट्रिपल करके दिखाया है। साथ ही सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी इनका सालाना रिटर्न काफी आकर्षक रहा है। इन टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया, आईसीआईसीआई प्रू, टाटा म्यूचुअल फंड, बड़ौदा बीएनपी परीबा और आदित्य बिरला सनलाइफ जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं।

ऐसा रहा प्रदर्शन

टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स का पिछले 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 15% से 24% तक रहा है. इन सभी फंड्स ने 5 साल पहले किए गए 1 लाख रुपये के निवेश को दो लाख से तीन लाख रुपये में तब्दील कर दिया है. इतना ही नहीं, इन सभी फंड्स ने **SIP** के जरिये किए गए निवेश पर भी साल दर साल 13% से लेकर 21% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है. आइए डालते हैं इन सभी फंड्स के पिछले प्रदर्शन पर एक नजर।

1. एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 24.62%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 3 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 10.12 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 21.02%)

2. बड़ौदा बीएनपी परीबा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 17.03%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.20 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.89 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 15.74 %)

3. एडेलवाइज बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.92%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.09 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.44 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.6%)

4. आदित्य बिरला सनलाइफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.71%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.08 लाख
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.60 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.4%)

5 साल में 15 से 24% तक एनुअल रिटर्न दिया

5. निप्पॉन इंडिया बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.67%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.07 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.02%)

6. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.52%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.06 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.99%)

7. टाटा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 14.99%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.01 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.32 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.03%)

बेंचमार्क और रिस्क लेवल

इन सभी हाइब्रिड फंड्स का बेंचमार्क इंडेक्स इन दो में से कोई एक है - निफ्टी 50 हाइब्रिड कंपोजिट डेट 50:50 इंडेक्स, जिसका पिछले 5 साल का सीएजीआर 12.70% रहा है या क्रिसिल हाइब्रिड 50+50 मॉडरेट इंडेक्स, जिसका 5 साल का सीएजीआर 13.62% है। सभी 7 फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग दी गई है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की निवेश रणनीति

पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट के बीच फंड एलोकेशन को वक्त के हिसाब से बदलने की रणनीति बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड (**Balanced Advantage Fund or Dynamic Assest Allocation**) की सबसे बड़ी खूबी है. इस रणनीति की बदौलत ये म्यूचुअल फंड बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच भी बेहतर और स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं. सेबी के नियमों के तहत इन फंड्स के मैनेजर को इक्विटी और डेट के बीच अपना फंड एलोकेशन जीरो से 100% तक बदलते रहने की छूट मिली हुई है। इस रणनीति का एक फायदा यह भी है कि अगर फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश को 65% या उससे ऊपर रखता है, तो इसमें निवेश पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स बेनिफिट भी मिल सकते हैं। हालांकि इक्विटी में ज्यादा एक्सपोजर की संभावना के कारण बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में रिस्क भी अधिक रहता है. इसलिए इनमें निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क बर्दाश्त करने की क्षमता को परख लेना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि के लिए पैसे लगाने की तैयारी रखनी चाहिए. साथ ही यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सलाह देना नहीं, निवेश का कोई भी फैसला अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह लेने के बाद ही करें।)

जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, जल्द बनेंगे करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, इससे बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें, अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं
- हर साल अपने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान को भी अपग्रेड करें
- अपनी कमाई का कम से कम दस फीसदी हिस्सा बचत में लगाएं

अगर आप भी निवेश के जरिये अच्छा पैसा जुटाना चाहते हैं तो अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं। इससे आपको जल्द करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। आप अपने सपने आसानी से पूरे कर पाएंगे। इसके लिए जरूरी है, अपने लक्ष्य तय करें और लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाए। अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं यानी निवेश के लिए स्टेप-अप एसआईपी के फार्मूले को अपनाएं। अपने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं और अपनी इनकम का कम से कम दस फीसदी निवेश जरूर करें और इसे हर साल बढ़ाते जाएं। फिर देखना आपका पैसा दिन दूनी और रात चौगुनी के साथ बढ़ेगा। नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है

- स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं। इसलिए स्टेप-अप एसआईपी जरूरी : बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल
- जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी जरूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- इस तरह धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

असरदार तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी जिंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और जरूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

आईटीआर फाइलिंग : कुछ गलतियों की वजह से आ सकता है नोटिस

●जुर्माना भी लग सकता है और रिटर्न रिजेक्ट होने का भी रहता है खतरा ● टैक्सपेयर्स अक्सर आईटीआर फॉर्म चुनने में कर जाते हैं बड़ी गलतियां ● वेरिफिकेशन में गलती करते हैं, तो बढ़ सकती है आपकी परेशानी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना हर साल टैक्सपेयर्स के लिए एक जरूरी काम होता है, लेकिन कई बार इसमें छोटी-छोटी गलतियां उनके लिए भारी पड़ जाती हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2025 तक है। इस बीच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर-1, 2, 3 और 4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर दी हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, जल्दबाजी या जानकारी की कमी के कारण कई बार टैक्सपेयर्स ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो नोटिस, जुर्माना या रिटर्न के रद्द होने का कारण बन सकती हैं। आइए जानते हैं, सात ऐसी आम गलतियों के बारे में, जिनसे टैक्सपेयर्स को बचना चाहिए।

गलत आईटीआर फॉर्म चुनना

सबसे आम गलती है गलत आईटीआर फॉर्म का चयन। हर फॉर्म खास तरह की आय और टैक्सपेयर्स के लिए बनाया गया है। मिसाल के तौर पर, अगर आपने शेयरों की बिक्री से 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन कमाया है या आपके पास किसी विदेशी बैंक में अकाउंट है, तो आप आईटीआर-1 की जगह आईटीआर-2 भरना होगा। गलत फॉर्म चुनने से आपकी रिटर्न 'डिफेक्टिव' मानी जा सकती है या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है। इसलिए, अपनी आय के सोर्स को ध्यान से देखें और सही फॉर्म चुनें।

सभी आय के सोर्स न बताना

कई टैक्सपेयर्स अपनी सारी आय को रिटर्न में नहीं दिखाते, चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। मसलन, बचत खाते का ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज, किराए की आय या शेयरों से डिविडेंड को छिपाना गलत है। भले ही बचत खाते के ब्याज पर 10,000 रुपये तक की छूट मिलती हो, लेकिन इसे रिटर्न में दिखाना जरूरी है। आय छिपाने से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नजर में आप गलत ठहर सकते हैं, जिससे नोटिस या जुर्माना लग सकता है।

नौकरी बदलने पर आय छिपाना

अगर आपने वित्त वर्ष में नौकरी बदली है, तो दोनों एम्प्लॉयर्स से मिली आय को रिटर्न में दिखाना जरूरी है। दोनों की फॉर्म-16 को ध्यान से देखें और सुनिश्चित करें कि कोई आय छूट न जाए। कई बार टैक्सपेयर्स पुराने एम्प्लॉयर की आय या टीडीएस की जानकारी छोड़ देते हैं, जो गलत है। एआईएस में आपकी सारी आय की जानकारी होती है, इसलिए इसे छिपाने की कोशिश न करें, वरना नोटिस का सामना करना पड़ सकता है।

फॉर्म 26एएस की जांच न करना

रिटर्न फाइल करने से पहले फॉर्म 26 एएस और एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) की जांच करना जरूरी है। ये डॉक्यूमेंट्स आपकी आय, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी देते हैं। अगर इनमें कोई गलती है, जैसे बैंक द्वारा काटा गया टीडीएस गलत दिख रहा हो, तो उसे ठीक करवाएं। इन डॉक्यूमेंट्स का मिलान फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड से करें। अगर जानकारी में अंतर हुआ, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है।

गलत डिडक्शन का दावा करना

कई टैक्सपेयर्स बिना सबूत के सेक्शन 80सी, 80डी या अन्य छूट का दावा कर लेते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की स्कूल फीस, एलआईसी प्रीमियम या मेडिकल इंश्योरेंस के लिए छूट तभी ले सकते हैं, जब आपके पास वैध डॉक्यूमेंट हों। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब एआईएस और एआई टूल्स के जरिए ऐसी गलतियों को आसानी से पकड़ लेता है। अगर आप बिना सबूत के छूट लेते हैं, तो नोटिस मिल सकता है या रिटर्न रद्द हो सकता है।

विदेशी संपत्ति की जानकारी न देना

अगर आपके पास विदेशी बैंक खाता, शेयर या दूसरी संपत्ति है, तो उसे रिटर्न में बताना जरूरी है। बजट 2024 में नियमों में थोड़ी ढील दी गई है, जिसमें 20 लाख रुपये तक की चल संपत्ति को न दिखाने की छूट दी गई है। लेकिन इसके बावजूद, पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। विदेशी संपत्ति छिपाने पर पहले 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगता था, लेकिन नए नियमों के बावजूद सावधानी बरतें।

रिटर्न का वेरिफाई न करना

रिटर्न फाइल करने के बाद उसे 30 दिनों के अंदर वेरिफाई करना जरूरी है। यह सत्यापन आधार ओटीपी , नेट बैंकिंग या आईटीआर वी को डाक से भेजकर किया जा सकता है। अगर आप वेरिफाई नहीं करते, तो रिटर्न को अमान्य माना जाता है, जैसे कि आपने रिटर्न फाइल ही नहीं किया। कई टैक्सपेयर्स यह भूल जाते हैं, जिससे उनकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और जुर्माना लग सकता है।

ऋण | एमएफ लोन पर ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन से अधिक, लोन लेने का फैसला करने से पहले सभी विकल्पों पर विचार करें

अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले, इससे आपकी एसआईपी चलती रहेगी

म्यूचुअल फंड पर भी ले सकते हैं लोन, लेकिन जान लें कुछ बातें क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में एमएफ पर लोन सस्ता

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेन जा रहे हैं और म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश करते हैं जो आपके लिए म्यूचुअल फंड पर लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड पर लोन क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता होता है। हालांकि इसकी ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन लेने की तुलना में अधिक हो सकती हैं। फिर भी लोन लेने से पहले सभी विकल्पों पर विचार कर लिया जाना चाहिए। इससे आप आसानी से और सस्ती ब्याज दरों पर लोन ले सकेंगे। जीवन में कई कारणों से कभी-कभी अस्थायी रूप से पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यह घर के नवीनीकरण, परिवार में शादी या किसी चिकित्सा आपात स्थिति के कारण हो सकता है। ऐसी नकदी की तंगी की स्थिति में, सबसे पहला विचार यही आता है कि अपनी बचत का इस्तेमाल करें और नुकसान होने पर भी अपने निवेश को बेच दें। और अगर इससे भी काम न चले, तो आप ऋण लेने की सोचते हैं। हालांकि, निवेश को बेचना सबसे अच्छा उपाय नहीं है। अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले सकते हैं। जी हां, जैसे आप लोन के लिए सोना और रियल एस्टेट जैसी अन्य संपत्तियां गिरवी रख सकते हैं, वैसे ही आप बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से अपने म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन ले सकते हैं। एमएफ पर लोन लेने से पहले आप 6 प्रमुख बातों के बारे में जान लें। ये आपके काफी काम आएंगी।

म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की एक सीमा तक ही ऋण मिलेगा

आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स के बदले आपको मिलने वाले ऋण की राशि काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस प्रकार की म्यूचुअल फंड योजना में निवेश किया है और आप किस वित्तीय संस्थान से ऋण लेंगे। उदाहरण के लिए, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बैंक आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के 50% तक और डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 80% तक का लोन देते हैं। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक आपकी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 85% तक और इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 60% तक का लोन प्रदान करता है।

सभी बैंक सभी म्यूचुअल फंडों पर ऋण नहीं देते

कई बैंक केवल उनके द्वारा चयनित म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर ही ऋण देते हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई केवल एसबीआई म्यूचुअल फंड की म्यूचुअल स्कीमों पर ही ऋण देता है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी उन स्कीमों के बारे में चयनात्मक हैं जिन पर वे ऋण देते हैं। ये दोनों निजी बैंक कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीएमएस) के साथ पंजीकृत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा प्रबंधित म्यूचुअल फंड स्कीमों पर ऋण प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक्सिस बैंक ने अपनी वेबसाइट पर म्यूचुअल फंड योजनाओं का एक सेट सूचीबद्ध किया है, जिसके आधार पर वह धन उधार देता है।

मिलने वाला ऋण राशि की ऊपरी सीमा

किसी भी प्रकार के ऋण की तरह, म्यूचुअल फंड पर दिए जाने वाले ऋणों की भी कुछ सीमाएं होती हैं। कई बैंकों ने आपको मिलने वाले ऋण की अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय कर रखी है। उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई बैंक जैसे अधिकांश बड़े निजी बैंकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में न्यूनतम ऋण राशि 50,000 रुपये और अधिकतम राशि 20 लाख रुपये तथा डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 1 करोड़ रुपये तक निर्धारित की है। एनबीएफसी के मामले में, न्यूनतम और अधिकतम दोनों सीमाएं आमतौर पर ज़्यादा होती हैं। उदाहरण के लिए, आदित्य बिड़ला फाइनेंस में न्यूनतम ऋण राशि 25 लाख रुपये और अधिकतम 10 करोड़ रुपये है। बजाज फिनसर्व के मामले में भी यही स्थिति है।

ऋण की लागत व्यक्तिगत ऋण व क्रेडिट कार्ड ऋण से कम

म्यूचुअल फंड पर लोन का एक प्रमुख लाभ यह है कि आपको क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन की तुलना में कम ब्याज दर मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि म्यूचुअल फंड पर लोन सुरक्षित होते हैं, यानी उनके पीछे कोई संपार्श्विक होता है। उदाहरण के लिए, आपको म्यूचुअल फंड पर लिए गए लोन पर 8-10% की ब्याज दर चुकानी होगी। यह आपके द्वारा चुनी गई बैंक और म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर अलग-अलग होगा। अगर आप डेट फंड योजनाओं की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर कम होती है, और अगर आप इक्विटी फंड की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर ज़्यादा होती है।
दूसरी ओर, क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित लोन के मामले में, लोन आपकी किसी भी वित्तीय संपत्ति द्वारा समर्थित नहीं होता है। इसलिए, बैंक द्वारा उठाए जा रहे उच्च जोखिम के अनुरूप, आपसे 8-10% से अधिक ब्याज दर वसूलने की संभावना होती है।

गिरवी रखी गई एमएफ यूनिटों पर रिटर्न मिलता रहेगा

जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर उन पर लोन लेते हैं, तो वे यूनिट्स बाजार में निवेशित रहती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स किसी बैंक में गिरवी रखते हैं, तो आप बैंक को यह अधिकार देते हैं कि वह म्यूचुअल फंड यूनिट्स को तभी बेचे जब आप डिफॉल्ट करें। लेकिन जब तक आप डिफॉल्ट नहीं करते, तब तक आपके निवेश बाजार से जुड़े रहते हैं और आप उन पर रिटर्न कमाते रहते हैं। इस प्रकार, आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी वित्तीय योजना अभी भी बरकरार है और साथ ही आप किसी भी यूनिट को भुनाए बिना अल्प सूचना पर आवश्यक पूंजी जुटा सकते हैं।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

तकनीक की बदौलत, एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे कई बैंक अब आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर ऑनलाइन लोन दे रहे हैं। आपको बस अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स ऑनलाइन गिरवी रखनी हैं और अपने खाते में ओवरड्राफ्ट लिमिट सेट करवानी है। ओवरड्राफ्ट सुविधा का मतलब है आपके बैंक के साथ एक क्रेडिट समझौता जिसके तहत आप अपने खाते में जमा राशि से ज़्यादा पैसे निकाल सकते हैं। इसकी एक पूर्व-स्वीकृत सीमा होती है।

खबर संक्षेप

खेलों में हैप्पी स्कूल के खिलाड़ी छाए

कोसली । स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हरियाणा राज्य शिक्षा विभाग की खंड स्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता में सरकारी व निजी स्कूल के खिलाड़ियों ने भाग लिया। वालीबॉल खेल में हैप्पी स्कूल के छात्रों की अंडर-17 व अंडर-19 आयु वर्ग टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम तथा अंडर-14 में दूसरा प्राप्त किया। वालीबॉल के अंडर-17 वर्ग में छात्राओं की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रों की अंडर-17 वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में हैप्पी स्कूल के खिलाड़ी अमरजीत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर स्कूल की चेयरपर्सन बिमला मलिक व रामकरण मलिक ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सड़क हादसे में फैक्ट्री कर्मचारी की मौत

खोरी। कुंड के निकट शुक्रवार की रात किसी वाहन की चपेट में आने से एक फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। भालखी माजरा निवासी संजय अपने ही गांव निवासी अनिल कुमार की पत्थर काटने की फैक्ट्री में कई साल से काम कर रहा था। शुक्रवार की रात वह ढाबे से सामान लेने के लिए कुंड बस स्टैंड की ओर जा रहा था। सड़क पार करते समय किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद थाना खोल पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। बताया जा रहा है कि मृतक संजय चार बच्चों का पिता है। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

खेलों में सनग्लो स्कूल के विद्यार्थी छाए

रेवाड़ी। राव तुलाराम स्टेडियम में आयोजित खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों का विभिन्न खेलों में चयन हुआ है। वालीबॉल में स्कूल के विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और विद्यालय की नौवीं कक्षा की छात्रा प्रीति व रिद्धि का जिला स्तर पर चयन हुआ। गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल बास में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में सनग्लो स्कूल की कबड्डी की टीम ने ब्लॉक स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया व आठवीं कक्षा के छात्र कार्तिक व रिशांक का चयन कबड्डी के लिए जिला स्तर पर हुआ। हिंदू हाई स्कूल में आयोजित क्रिकेट की प्रतियोगिता में स्कूल के छात्र अंशुल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। छात्र का जिला स्तरीय टीम में चयन किया गया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के अध्यक्ष डा. वीपी यादव, निदेशिका शारदा यादव व प्राचार्य गरिमा राव ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

आईजीयू में धूमधाम से मनाया हरियाली तीज उत्सव

प्रकृति के श्रृंगार का पर्व लोक उत्सव हरियाली तीज सभी के मन को करता है भाव विभोर

■ झूले पर झूलते हुए महिलाओं ने गाए सावन के गीत।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। आईजीयू में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति। व विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में लोक पर्व हरियाली तीज के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग और छात्र कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आओ अपनी लोक संस्कृति को जाने कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक एवं निदेशक छात्र कल्याण प्रोफेसर अदिति ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण केंद्र झूले और डीजे पर सावन के लोकगीत रहे। उन्होंने मुख्य अतिथि प्रोफेसर सीमा मिगलानी व विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पूनम को प्रकृति का श्रृंगार-पौधा देकर स्वागत अभिनंदन किया।

हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजु पुरी ने कहा कि हम चाहे कितने ही आधुनिक हो जाएं हमें अपनी पहचान को नहीं छोड़ना चाहिए। हम सब लोक संस्कृति में पले बढ़े हैं। यही हमारी भारतीयता की सबसे मजबूत कड़ी है। जो विविधता को एकता में बांधे रखती है। इस अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता और मटका सजावट प्रतियोगिता का आयोजन डा. अर्चना यादव, डा. शकुंतला व कुसुम के संयोजन में किया गया। प्रोफेसर सविता शयोराण ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हम सबको एक दूसरे के साथ मिलकर पर्व उत्सव मनाने की प्रेरणा देते हैं। मुख्य अतिथि प्रोफेसर सीमा मिगलानी ने कहा कि सावन में हरी भरी वसुंधरा को देखकर मन मयूर नाच उठता है। प्रकृति के श्रृंगार का पर्व लोक उत्सव हरियाली तीज सभी के मन को भाव विभोर कर देता है। लोक संस्कृति लोक की बानी रहन-सहन खान-पान तीज त्यौहारों की धमक, लोक की माटी में रची बसी गंध, लोकमानस के हदय को अनंत काल तक निर्मल उज्ज्वल करती आई है।

बाजारवाद पड़ रहा भारी

कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि आज लोक समाज पश्चिमी संस्कृति के दिखावे के कारण बाजारवाद की चपेट में आकर अपने वास्तविक रुप से दूर होता जा रहा है। ऐसे में हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपनी परंपराओं, मूल्यों, आदर्शों, संस्कारों को आने वाली पीढ़ी को बताएं। वास्तविक पहचान है। लोकरंग ही हमारी संस्कृति का चटक रंग है। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि जीवन के राग-रंग का संदेश देता हुआ लोक पर्व हरियाली तीज जहां श्रृंगार का प्रतीक है। हमारी आध्यात्मिकता का संदेश भी देता है। सावन में पूरा वातावरण शिवमय हो जाता है। हरियाली तीज उत्सव प्रकृति परंपरा और प्रसन्नता व धार्मिक आस्था के साथ यह पर्व पर्यावरण, प्रकृति की रक्षा का संदेश देता है।

मोनिका और गुंजन बनीं विजेता

मेहंदी एक श्रृंगार-सदा सुहागन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका, द्वितीय स्थान पायल व तृतीय स्थान शिवानी ने प्राप्त किया। मटका सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गुंजन, द्वितीय हिमांशी सैनी व तृतीय मुस्कान ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका प्रोफेसर रश्मि व प्रोफेसर रितु बजाज ने निभाई। प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। महिला अध्यापकों ने छात्राओं से मेहंदी लगवाई और उन्हें शगुन के रूप में 100-100 रुपये दिए। कुलपति एवं कुलसचिव ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम का संचालन डा. जागीर नगर ने किया।

रेवाड़ी। रामगढ में धरने पर बैठे हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का जनसंपर्क अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रामगढ़ भगवानपुर सरकारी अस्पातल बनाने की मांग को लेकर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का धरना 40 दिन से चल रहा है। धरने पर रामगढ़ भगवानपुर के अलावा बुड़ाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, तुर्कियावास, फदनी, रोजका, मीरपुर, गोकलपुर, कुंभावास, डाबड़ी, काकोड़िया, मुंढलिया, घुड़कावास व नयागांव सहित दर्जन भर से अधिक गांवों के ग्रामीण शामिल हो रहे है। धरना की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। इस मौके पर अनिल कुमार सरपंच प्रतिनिधि ने कहा जब तक मांग को नहीं माना जाएगा, तब तक धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। इस मौके पर विरेन्द्र सिंह फौजी भगवानपुर ने प्रण लिया है कि जब तक रामगढ़ भगवानपुर में सरकारी अस्पताल की घोषणा नहीं होती है तब तक वे अपनी दाढ़ी नहीं कटवाएंगे। अस्पताल बनाओ संघर्ष समिति की ओर से गांव मीरपुर से जनसंपर्क व जन जागरण अभियान की शुरूआत भी की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष व नौजवान शामिल। ग्रामीणों ने मोमबत्ती जलाकर लोगों को जागरूक करने का प्रण लिया। व सभी ने एकजुट होकर अस्पताल

ये रहे मौजूद

धरने पर सम्मे सिंह किशनगढ़ बालावास, रामकिशन बपास पहाड़ी, राजेंद्र सिंह एडवोकेट, शेरसिंह मीरपुर, रमेश चंद्र एडवोकेट, महीपाल फदनी, सतीश सरपंच बुडानी, सत्यवीर, अनिल सरपंच गोकलपुर,एडवोकेट सुधीर कुमार मीरपुर,अभय सिंह फिदेडी, सतीश सरपंच बुड़ानी, रामकुमार बुड़ानी, पृथ्वी सिंह बालियर खुर्द, अमरजीत फिदेडी, लखपत भगवानपुर,नवल सिंह, इंद्रजीत नंबरदार रामगढ़, हरिओम मिस्त्री, राजकुमार, राजबीर, वीरेंद्र सिंह फोजी, शोभाराम, कृष्णा देवी भगवानपुर सरपंच, गीता देवी, कविता देवी, निर्मला, कमला, विमला, रामगिरी, विमला, उर्मिला, वीरमति, कमलेश, मौसम व कमलेश मौजूद रहे।

राज इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों ने किया तीज फेस्ट एक्सपो का आयोजन

■ कार्यक्रम में कक्षा छटी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने लिया भाग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। राज स्कूल में आयोजित तीज फेस्ट एक्सपो में मौजूद विद्यार्थी।

राज इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 6 से 8 के इंटरप्रेन्योर सेक्शन के छात्रों ने दो दिवसीय तीज फेस्ट एक्सपो का आयोजन कर अपने उद्यमिता कौशल का प्रदर्शन किया। इस मौके पर छात्रों ने विभिन्न प्रकार के स्टॉल्स लगाए, जिनमें खाद्य पदार्थ, खेल और काइट्स शामिल थे। छात्रों ने एक्सपो के माध्यम से न केवल अपने व्यावसायिक विचारों को साकार किया, बल्कि एक सजीव उद्यमिता के अनुभव का भी आनंद लिया। छात्रों ने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से अपनी सृजनात्मकता और व्यापारिक समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एक्सपो के दौरान छात्रों को पारंपरिक और आधुनिक वस्तुओं के माध्यम से सीखने का एक अनोखा अनुभव मिला। स्कूल के चेयरमैन राजेंद्र सैनी ने अध्यापकों और छात्रों के प्रयास की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी ऐसे नवाचारी कार्यों के लिए प्रेरित किया।

जहां तेरा- मेरा का रोग, वहां नहीं हो सकता प्रेम जहां प्रेम नहीं वहां भक्ति नहीं हो सकती: चौहान

■ सरकुलर रोड स्थित निरंकारी सत्संग भवन में पलवल जोन का महिला समागम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। निरंकारी मिशन के सत्संग में मौजूद महिलाएं।

निरंकारी मिशन के पलवल जोन का महिला समागम शनिवार को शहर के सरकुलर रोड स्थित निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित हुआ, जिसमें रेवाड़ी सहित पलवल, महेंद्रगढ़, नारनौल, झज्जर, तावडू, धारूहेड़ा, कोसली व बावल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं व पुरुषों ने भाग लिया। जोन स्तरीय महिला समागम में सभी वक्ता भी महिलाएं थीं, जिन्होंने अपने गीत, विचारों और कविताओं के माध्यम से प्रेम भक्ति का संदेश दिया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि निरंकारी मिशन का एक ही उद्देश्य व नारा ब्रह्म की प्राप्ति व भ्रम की समाप्ति है। मिशन सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से उद्देश्य की पूर्ति में लगा है। ईश्वर को जानकर ही भक्ति संभव है। वक्ताओं ने कहा कि महिला समाज की रीढ़ है और यदि वह आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए अपना पारिवारिक व सामाजिक धर्म निभाती है तो उससे न केवल उनकी आध्यात्मिक उन्नति होती है, बल्कि परिवार में भी सुख शांति रहती है।

इस अवसर पर भिवानी की ज्ञान प्रचारक कविता चौहान ने कहा कि आज निरंकारी मिशन इंसान को परमात्मा का बोध करा कर प्रेम सिखा रहा है। यहां आने वालों की बोली भाषा, पहनावे और खानपान में फर्क हो सकता है, लेकिन दिलों में प्रेम एक जैसा है। आज चारों और नफरत फैल रही है। इसलिए मिशन यही संदेश दे रहा है कि ऐसा करे जतन कि ये धरती स्वर्ग बन जाए, जन्नत से बेहतर बन पाए। कविता चौहान ने कहा कि जिन प्रेम कियो, तिन ही प्रभु पायो। सतगुरु माता ने कहा है कि प्रेम करना ही नहीं है, प्रेम बन जाना है। ये तभी संभव है जब परमात्मा मन में बसा होगा।

बोड़ियाकमालपुर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

रेवाड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जाटूसाना ब्लॉक के गांव बोड़ियाकमालपुर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम और तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीपीओ सुमन यादव और सुपरवाइजर माया देवी ने की। इस अवसर पर सीडीपीओ सुमन यादव ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश के भविष्य को सुरक्षित और समृद्ध बनाने का संकल्प है। हमारी बेटियां, बहनें और माताएं समाज की आधी आबादी हैं, जिनके बिना एक स्वस्थ व संतुलित समाज की कल्पना अधूरी है। उन्होंने बेटियों की शिक्षा व सुरक्षा को अत्यंत आवश्यक बताया। कार्यक्रम में तीज महोत्सव की धूम रही। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों व नृत्य के माध्यम से उत्सव में भाग लिया और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा लगाकर जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंद्रबाला, कीना व कमलेश सहित अनेक महिलाएं उपस्थित थी।

तीज महोत्सव में डांस, गीत व खेलों की धूम, महिलाओं में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। तीज महोत्सव में मौजूद अतिथि व संस्था सदस्याएं।

आशियाना फाउंडेशन की ओर से सोमानी पीजी कॉलेज में हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की अध्यक्ष दीपा भारद्वाज मुख्य अतिथि तथा रिंकी प्रधान, कृपा जैमिनी, मंजू सोमानी, मंजू यादव व पारीशा शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थी। नारनौल से चमन हरित व सपना गुप्ता सम्मानित अतिथि के रूप में पहुंचीं। फाउंडेशन की पीआरओ नीरू भारद्वाज ने मंच संचालन किया। भावना शर्मा व चित्रा भारद्वाज ने तिलक लगाकर व माला पहनाकर महिलाओं का स्वागत किया। महिलाओं ने उत्साह के साथ नृत्य, गीत व खेलों में भाग लिया। उपाध्यक्ष सुमन चौहान ने फाउंडेशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सरोज यादव, शशि जुनेजा, मधु गुप्ता, सुमन शर्मा, हेमा आहूजा व मनीषा यादव ने अतिथियों का सम्मान किया।

पतंग मेकिंग में पंकज व मेहंदी में प्रिया बनी विजेता

रेवाड़ी। सुंदरोज स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में हरियाली तीज के अवसर पर पतंग व मेहंदी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अध्यापिका कान्ता देवी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन विज्ञान अध्यापक महेश कुमार ने किया। निर्णायक मंडल में अध्यापक सुरेश कुमार व अध्यापिका कृष्णा कुमारी शामिल थे। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं से बच्चों में क्रियाशीलता, रचनात्मकता तथा सृजनशीलता के गुणों का विकास होता है। पतंग मेकिंग प्रतियोगिता में पंकज ने प्रथम, रितिक ने द्वितीय तथा नरेंद्र सिंह ने तृतीय स्थान, जबकि मेहंदी प्रतियोगिता में प्रिया ने प्रथम, निशिता ने द्वितीय तथा कशिश व शिवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अध्यापिका ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अध्यापक पवन व अजीत सिंह क्लर्क सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

भार्गव युवा संघ ने पारंपरिक रंगों उत्साह से मनाया तीज महोत्सव

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद भार्गव समाज की महिलाएं।

भार्गव युवा संघ की ओर से पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष चिराग भार्गव ने की, जबकि कार्यक्रम का आयोजन सचिव प्रतीक और कोषाध्यक्ष अक्षत ने मिलकर किया। कार्यक्रम की शुरूआत पूजा, रूपाली और नेहा भार्गव ने ईश वंदना एवं दीप प्रज्वलन से की। मंच संचालन रूपाली और प्रतिक्षा ने किया। बच्चों में ध्रिविका, प्रणिका, प्रत्यक्ष, अमायरा और अग्रिमा ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा, वहीं महिलाओं में ऋतिका, पूजा, पल्लवी और आंचल के शानदार नृत्य ने सभी को तालियां बजाने पर मजबूर किया। आंचल और नेहा ने टग ऑफ वॉर और म्यूजिकल चेयर जैसे खेलों का संचालन किया। इन खेलों में अंकिता, आकृति, प्रिया, प्रत्यक्ष और ध्रिविका विजेता बनीं। विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रीति भार्गव को तीज क्वीन के खिताब से नवाजा गया।

तीज महोत्सव रुस्तगी महिला मंडल ने तीज मिलन समारोह किया आयोजित

उत्साह के साथ मनाया तीज महोत्सव,प्रतिभागी महिलाओं को किया सम्मानित

महिलाओं ने रैंप वॉक और पारम्परिक गीतों पर दी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद रुस्तगी समाज की महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

रुस्तगी महिला मंडल की ओर से रेलवे रोड स्थित निजी रेस्टोरेंट में हरियाली तीज मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने पारम्परिक गीतों पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अदभुत छटा बिखेरी। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज की वरिष्ठ महिलाओं ने समाज के प्रवर्तक महाराजा हरिश्चंद्र के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। ऊषा रुस्तगी ने सभी का स्वागत करते हुए आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया। लावण्या ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। माही ने सावन के गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर सामज की वरिष्ठ महिलाओं ने कहा कि तीज के त्योहार का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस पर्व को भगवान शिव व मां पार्वती के विवाह के प्रसंग के रूप में भी मनाया जाता है। महिलाओं ने सावन के मनोहारी गीतों से खूब रंग जमाया। वरिष्ठ महिलाओं ने रैंप वॉक व लोक नृत्य प्रस्तुत किया। रोचक खेल प्रतियोगताओं में भी सभी ने खूब रंग जमाया। कार्यक्रम का संचालन उषा रुस्तगी, शिखा व शिल्पा रुस्तगी ने किया। सभी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। हेमा रुस्तगी एवं पूजा रुस्तगी ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम के आयोजन में इंदु रुस्तगी, मंजू रुस्तगी पूनम रुस्तगी का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में साक्षी एवं सुमन को तीज क्वीन चुना गया। इस अवसर पर ललिता रुस्तगी, अनीता रूस्तगी, बबीता, बीना रुस्तगी, दिव्या, मनीषा, नीलम, प्रिया, सरोज रुस्तगी, नेहा रुस्तगी, प्रियांका रुस्तगी, सोनिया, प्रियांशी, सुमित्रा रुस्तगी, प्रिया, सीमा रुस्तगी, सुनीता, तनु, वैशाली, शानू, मोनिका, पूनम व सुरेश सहित समाज की अनेक प्रमुख महिलाएं मौजूद रही।

सैनिक स्कूल में अंतर सदनीय पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में कैडेट मयंक परेरा सदन रहा प्रथम

- प्रतियोगिता में क्लासिक साहित्य से लेकर समकालीन कृतियों तक विविध विधाओं को शामिल किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेता कैडेट्स को पुरस्कृत करते प्राचार्य व स्टाफ।

गोठरा स्थित सैनिक स्कूल में सह-शैक्षिक गतिविधियों के तहत समूह 'अ' कक्षा नौवीं से बारहवीं व समूह 'ब' कक्षा सातवी-आठवी के लिए अंतर सदनीय पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य पढ़ने के आनंद को बढ़ावा देना और छात्रों में साहित्यिक रुचि को बढ़ाना था। प्रतिभागियों को चुनिंदा पुस्तकों की समीक्षा प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें विषयों, पात्रों और कथाओं पर अपनी अंतदृष्टि और विचार साझा किए गए।

प्रतियोगिता में क्लासिक साहित्य से लेकर समकालीन कृतियों तक विविध विधाओं को शामिल किया गया, जिससे विचारों और दृष्टिकोणों का समृद्ध आदान-प्रदान हुआ। कैडेट्स ने विभिन्न पुस्तकें पढ़कर उनकी समीक्षा की। निर्णायकों की भूमिका मनोज कुमार ओझा टीजीटी विज्ञान, विजय कुमार द्विवेदी टीजीटी विज्ञान व अरविंद कुमार टीजीटी सामाजिक विज्ञान ने निभाई। पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में कैडेट मयंक परेरा सदन कक्षा ग्यारहवीं ने प्रथम, कैडेट प्रांशु अर्जन सदन कक्षा ग्यारहवीं ने द्वितीय तथा कैडेट रोशनराज करियप्पा सदन कक्षा दसवीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कनिष्ठ वर्ग में कैडेट आकाशदीप कटारी सदन कक्षा आठवीं ने पहला, कैडेट हितेश परेरा सदन कक्षा आठवीं ने दूसरा तथा कैडेट ऋषभ रावल सुब्रोतो सदन कक्षा आठवीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयुक्त परिणामों के आधार पर परेरा सदन विजेता रहा, वहीं कटारी सदन ने द्वितीय व करियप्पा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समीक्षा पाठक और पुस्तक को एक दूसरे से जोड़तीः प्राचार्य

इस अवसर पर प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि पुस्तक समीक्षा किसी पुस्तक के बारे में एक विस्तृत, विश्लेषणात्मक और मूल्यांकनपूर्ण विश्लेषण है। इसमें पुस्तक के विषय, शैली, लेखन, और समग्र प्रभाव का वर्णन और मूल्यांकन किया जाता है। पुस्तक समीक्षाएं पाठकों को पुस्तक के बारे में एक व्यापक समझ प्रदान करती हैं। समीक्षा पाठक और पुस्तक को एक दूसरे से जोड़ती है। इससे पाठकों को पुस्तक को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने में सहायता मिलती है तथा पाठकों को अपने विचार और राय साझा करने के लिए प्रोत्साहित करती है। विद्यालय में समय-समय पर कैडेट्स के बौद्धिक व तार्किक विकास के लिए इस प्रकार की गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।

पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता लोगों को उन पुस्तकों को चुनने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिन्हें उन्होंने अपनी सामान्य खोज प्राथमिकताओं के आधार पर नहीं चुना होगा। प्राचार्य ने विजेता कैडेट्स को प्रमाण-पत्र व पुस्तकें देकर पुरस्कृत किया। उन्होंने प्रतियोगिता आयोजक मुशाहिद हुसैन टीजीटी अंग्रेजी तथा विजेता सदनों को बधाई देते हुए प्रतियोगिता का स्तर उत्कृष्ट बताया। मेजर जयसिंह राठौड़ प्रशासनिक अधिकारी, स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी उप प्राचार्या व गजेंद्र सिंह चौहान वरिष्ठ अध्यापक सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे।

महिलाओं ने मेहंदी रचाकर मांगी सुहाग की लंबी उम्र और बेटियों को बचाने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अपनी मेहंदी दिखाती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव हांसाका में हरियाली तीज उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभाग की सुपरवाइजर सीमा के नेतृत्व में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सीमा ने बताया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विभाग की टीम गांव-गांव जाकर महिलाओं को बेटियों के महत्व के प्रति जागरूक कर रही है। कार्यक्रम में महिलाओं ने झूले झूलकर, हाथों में मेहंदी रचाकर और पारंपरिक गीत गाकर न सिर्फ उत्सव का आनंद लिया, बल्कि बेटियों को बचाने और शिक्षित करने का भी संदेश दिया। महिलाओं ने हाथों पर मेहंदी लगाकर अपने परिवार की सुख-शांति और पति के दीर्घायु जीवन की कामना की। सुपरवाइजर सीमा ने कहा कि हरियाली तीज प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक पर्व है। यह अवसर हमें प्रकृति से जुड़ने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एकजुट होने का भी संदेश देता है। उन्होंने भ्रूण हत्या को एक जघन्य अपराध बताते हुए कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं, लेकिन फिर भी कुछ लोग बेटों की चाह में बेटियों को जन्म से पहले ही समाप्त कर देते हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि बेटा-बेटी में भेदभाव को जड़ से समाप्त किया जाए और बेटियों को समान अवसर देकर समाज में संतुलन और समृद्धि सुनिश्चित की जाए।

छेड़छाड़ का आरोपी हेड टीचर सस्पेंड

रेवाड़ी। धारूहेड़ा क्षेत्र के एक स्कूल में छात्रा से छेड़छाड़ करने के आरोपी हेड टीचर को शिक्षा विभाग ने तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन का पत्र शनिवार को डीईईओ सुभाष चंद की ओर से जारी किया गया है।

- निलंबन का पत्र शनिवार को डीईईओ सुभाष चंद ने जारी किया

गत 23 जुलाई को एक पाचवा कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने स्कूल के हेड टीचर पर छेड़छाड़ करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने उसके पिता की शिकायत के आधार पर आरोपी हेड टीचर सुरेश कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए सुरेश को बीते शुक्रवार को ही गिरफ्तार करने के बाद भोंडसी जेल भेज दिया था। शनिवार को डीईईओ सुभाष चंद की ओर से सुरेश को सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए।

तीज पर्व पर विद्यार्थियों ने अनेक प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

रेवाड़ी। विवेकानंद पब्लिक स्कूल लाखनौर में तीज महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्राइमरी विंग में कलरिंग, काइट मेकिंग व काइट फ्लाइंग, सीनियर विंग में पेपर काइट मेकिंग, मेहंदी व स्केटिंग एक्टिविटीज आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने सभी प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रांगण में झूला सजाया गया, जिस पर प्राइमरी विंग के बच्चों ने झूला झूलकर उत्सव का आनंद लिया। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने बच्चों को तीज के महत्व के बारे में बताया और सभी को तीज पर्व की शुभकामनाएं दी। हरियाली तीज के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया व इस त्योहार की तरह पर्यावरण को भी हराभरा रखने का संकल्प लिया गया।

ज्ञानदीप स्कूल के छात्रों ने ब्लॉक स्तरीय खेलों में मारी बाजी

रेवाड़ी। मोहनपुर स्थित ज्ञानदीप स्कूल के छात्रों ने हाल ही में आयोजित ब्लॉक स्तरीय स्केटिंग एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के चार होनहार छात्र प्रियांश बंसल, रक्षिता, सत्यम और मयंक ने स्केटिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंडर-19 आयु वर्ग में गगन ने 1500 मीटर व 400 मीटर दौड़ में दो पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-17 आयु वर्ग में करन ने गोला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा अंकित चौहान ने 800 मीटर और 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान अर्जित किया। हिमांशु ने लॉन्ग जंप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

तीज का त्योहार आपसी भाईचारे में मिठास का संदेश देताः डा. दीपक

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से शनिवार को जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने का कार्यक्रम 'जीवन हर दिन एक उत्सव' का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा. दीपक यादव पूर्व जिला प्रधान आईएमए, डा. नीरज यादव सचिव आरओजीएस, एडवोकेट राजकुमार जलवा पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि हरियाली तीज पर बहन-बेटियां घर के आंगन में पेड़ पर डाले गए झूलों का आनंद लेती हैं। तीज का सुंदर त्योहार भाईचारे का संदेश देता है व रिश्तों में मधुरता आती है। कार्यक्रम में महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद मधु गुप्ता, पर्यावरण विद् प्रीति कपूर, प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, पुलकित ग्रोवर, जोहरी सिंह चौकन, सोनिया कपूर, ओजस्वी, कपिल कपूर, हिमांशु पिपलानी, जूही, पुरुषोत्तम नंदवानी व समाजसेवी के एल कोहली सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

उत्सव — महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से हरियाली तीज उत्सव मनाया गया

महिलाओं ने भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट होकर आवाज की बुलंद

- तीज पर्व पर महिलाएं पारंपरिक गीतों और रीति-रिवाजों के माध्यम से समाज को संदेश देती हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम के दौरान झूला झूलती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

गांव नैचाना में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से हरियाली तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सुपरवाइजर स्नेहलता ने किया।

इस मौके पर स्नेहलता ने कहा कि हरियाली तीज जहां एक ओर महिलाओं के पारंपरिक पर्व का प्रतीक है, वहीं इस अवसर को सामाजिक संदेश देने के लिए भी उपयोग में लाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तीज पर्व पर महिलाएं पारंपरिक गीतों और रीति-रिवाजों के माध्यम से समाज को संदेश देती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं ने झूले का आनंद लिया, हाथों पर मेहंदी रचाई और पारंपरिक गीतों के माध्यम से बेटियों को बचाने और उन्हें शिक्षित करने की अपील की। महिलाओं ने भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद की। सुपरवाइजर ने कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक और समाजसेवी बनकर देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं।

उन्होंने समाज से आह्वान किया कि बेटा-बेटी में कोई भेदभाव न करें और बेटियों को समान अवसर दें। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता किरण, पूनम, स्नेह, पवित्रा व माया सहित अनेक महिलाएं उपस्थित थी। सभी ने उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया और बेटी बचाओ अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
उगन्ता देवी बच्चों का अस्पताल

20% off CT SCAN & Lab Test TILL 31 JULY 2024
CT SCAN की सुविधा उपलब्ध
24 HOURS SERVICE EVERY DAY

डॉ. सुधा यादव
PEDIATRICIAN AND CRITICAL CARE SPECIALIST & NEONATOLOGIST
MD, DNB, PFCC MIMA, MIAP
EX. MS, RCPCH-UK (AIIMS, PGI)
सुविधाओं
• नवजात शिशु की सभी सुविधाएं एवं NICU, PICU
• वेटीलेटर, CPAP, BIPAP, Oxygen नवजात पीलिया
• बच्चों को दौरा आना, दिमांग में कीड़ा, अपाहिज मंदबुद्धि, दिमाग में पानी (हाईड्रोकेफलस)
• डेंगू, मलेरिया, टायफाईड एवं पीलिया का इंफेक्शन लीव रोग, वजन न बढ़ना, बार-बार दस्त लगना पेट दर्द, गेहूं एलर्जी
• छाती रोग, दमा, निमोनिया, टी.बी., चमड़ी रोग एलर्जी
हर रविवार OPD फीस फ्री
सभी मेजर TPA के तहत कैशलैश ईलाज की सुविधा
नईवाली चौक रेवाड़ी
8059105066, 8570982373

दमा एलर्जी जोड़ों का दर्द
डॉ. रघुबीर सिंह Acu.M.D.
9416901254
फोन पर संपर्क करने का समय प्रात: 8 बजे से सायं 6 बजे तक
शुगर पुराना नजला का इलाज
बिना दवा चीनी मशीन द्वारा
रेवाड़ी: हर सोमवार को मिलें
प्राइम न्यूरो स्पाइन एवं सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल
पब्लिक हेल्थ आफिस के सामने, गढ़ी बोलनी रोड, रेवाड़ी
समय: प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, सायं 5 बजे से 7 बजे तक
दमा, एलर्जी, जोड़ों का दर्द, शुगर, नजला का ईलाज चीनी मशीन द्वारा जड़ से खत्म किया जाता है।
आज भारत में करोड़ों लोग अस्थमा रोग के शिकार है। अस्थमा का उचित उपचार न करने के कारणप हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु भी हो जाती है। अस्थमा रोग किसी भी आयु के व्यक्ति को हो सकता है। अस्थता / दमा यह एक एलर्जी रोग है जिसका समय पर उपचार न करने से रोगी व्यक्ति की हालत गंभीर हो सकती है। अस्थमा का रोकथाम करने के लिए रोगी व्यक्ति को दिए, जाने वाले उपचार की जानकारी और महत्व पता होना जरूरी है।
• श्वसनी दमा फेफड़ों की ऐसी समस्या है, जिससे श्वास नली में बाधा आती है।
• अलग अलग बच्चों में अस्थमा के लक्ष्ण अलग होते है और ये लक्ष्ण एक ही बच्चें में बदलते भी रहते है।
• अस्थमा में श्वास नली पूरी तरह बंद हो जाती हैं, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो सकती है।
• अस्थमा सांस संबंधी रोग है जिसमें व्यक्ति को सांस लेने और छोड़ने में परेशानी होती है। दवाओं के जरिये इसे नियंत्रित तो किया जा सकता है लेकिन ठीक नहीं किया जा सकता है। हमारे इलाज से रोगी को पूर्णतः ठीक किया जाता है।

न्यूरों से संबंधित सभी बीमारियों का एक्यूपंचर द्वारा उपचार
साइटिका सर्वाइकल, फ्रोजन शोल्डर, माइग्रेन, कंधे का दर्द, कमर के हिस्से से पर तक होने वाला दर्द, स्लिप डिस्क, कमर दर्द, हाथों की उंगलियों का कम काम करना, हाथ में लगातार रहने वाला दर्द एवं अन्य लाईलाज न्यूरों की विभिन्न बीमारियों का सफल उपचार।
कौन से ऐसे कारण है जिनसे एलर्जी होती है।
एलर्जी हमारे दैनिक जीवन में भ्रमण करते हुए हमारे आसपास के माहौल/वातावरण से कई कारणों से हा सकती है जैसे पेड़, पौधे, धूल, मिट्टी, पालतु जानवर, दवाएं एवं खाने-पीने की वस्तुएं इत्यादि। 1. एक परिवार के विभिन्न सदस्यों, महिला, पुरुष, बच्चे या वृद्ध की विभिन्न वस्तुओं से एलर्जी हो सकते है। 2. कुछ तो फूलों को छूने से एलर्जी हो सकती है। 3. दूध, दही, मांस, मछली का सेवन करने से भी एलर्जी हो सकती है। 4. पॉलीथीन एवं नायलॉन के साथ भी एलर्जी हो सकती है। 5. सौंदर्य प्रसाधनों के प्रयोग से भी एलर्जी हो सकती है।
गठिया: डाक्टर ने बताया कि गठिया शरीर के किसी भी एक जोड़ से दर्द शुरू होता है और धीरे-धीरे शरीर के सभी जोड़ प्रभावित होते हैं। सभी जोड़ों में असहनीय दर्द होता है। गठिया का रोगी सालों इलाज करवा कर भी ठीक नहीं हो पाते और डाक्टर कते हैं कि गठिया में सारी उमर दवा खानी पड़ेगी और दवा खाते रोगी के अंग भी टेढ़े-मेढ़े होने लगते हैं, रोगी बिस्तर पर चला जाता है और चलने फिरने से लाचार हो जाता है। डाक्टर कहते है कि एक्यूपेंचर द्वारा गठिया चाहे कितना पुराना भी हो, गठिया रोग जड़ से खत्म हो जाता है।
आइये जाने क्या है एलर्जी
प्रत्येक मनुष्य भले महिला हो या पुरूष में कुदरत ने बाहरी तत्वों को सहन करने की खास ताकत दी है। फिर भी कई बार ऐसे तत्व जो मनुष्य के शरीर पर दुष्प्रभाव डालने वाले एवं शरीर के भीतर पहुंचने की कोशिश कतेर हैं, तब शरीर के आंतरिक तत्व हलचल में आकर उन उल्टे तत्वों के प्रभाव को शरीर पर पड़ने की कोशिश को रोकते हैं। इस तरह की प्रक्रिया एलर्जी की उत्पत्ति का कारण बनती है। एलर्जी के लक्षण: • शरीर में खुजली • चमड़ी का लाल होना • लाल दाने होना • शरीर में दाने वाली जगह पर सूजन होना। • एलर्जी होने से "एग्जिमा" नाम की बीमारी भी हो जाती है, जिससे जोर से खारिश होना या उस जगह पर पानी का रिसाव होने लगता है। • एलर्जी के कारण कुछ लोगों को अस्थमा नाम की बीमारी हो जाती है। इस स्थिति में रोगी को सांस लेने में परेशानी आती है, फेफड़ों में सूजन होना व जलन होना। • छींकों का आना, नाक बंद होना, नाक की हड्डी टेडी होना, जुकाम होना। • गले में तेज जलन एवं दर्द होना • पेट का दर्द होना • चेहरा, होंट, आंखों में सूजन • जी मिचलाना एवं डायरिया • खाने में तकलीफ

कृपया ध्यानपूर्वक पढ़े
दमा, एलर्जी क्लीनिक के संचालक डॉ. रघुबीर सिंह यादव का कहना कि विशेष मशीनें नजला रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस पद्धति में रोगी को कोई दवाई लेने की जरूरत नहीं होती। डॉ. यादव का कहना है कि इस बीमारी का प्रकोप अब बूढ़े और जवान व्यक्ति के अलावा बच्चों में भी बहुत अधिक हो रहा। रोगी को चाहिए की इलाज में लापरवाही नहीं बरते और अंग्रेजी दवाई से बचना चाहिए क्योंकि अंग्रेजी दवाई आपके शरीर को नुकसान पहुँचती है। नजला एक विजातीय द्रव्य है। हमारे सिर में एक आलफैक्ट्री वाल्व होती है। जिसमें यह जमा रहता है। इसकी सात वाल्व होते है। इसके लीक होने के कई कारण होते है जैसे सर्द-गर्म का बिगड़ना, कफ की अधिकता, सहवास के बाद हवा लगना आदि। नाक के मस्से बढ़ना, नाक रूकना, छींके आना, एलर्जी इत्यादि पहली तीन वाल्व लीक होने से होता है। इसके बाद वाली चार वाल्व लीक होने से यह विजातीय द्रव्य (नजला) गले में अंदर गिरने लगता है, जिसमें सांस की नली जाम हो जाती है। एलर्जी का कोई भी कारण हो यहां ईलाज लेने से रोगी उम्र भर के लिए ठीक हो जाता है। डॉ. यादव के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में दमा मरीजों की संख्या ज्यादा हो रही है। लगातार धूम्रपान करने एवं वातावरण में व्याप्त धूल के कण हवा के कारण यह बढ़ रही है। अगर इसका सही समय पर ईलाज नहीं किया जाता है तो कैंसर होने का खतरा रहता है। कभी-कभी तो आदमी की मौत भी हो जाती है। आजकल यह एक घातक बीमारी सिद्ध हो रही है। इसलिए सही समय के रहते डॉक्टर के पास जांच करवानी चाहिए। यहां इन बीमारियों का ईलाज चीनी पद्धति से किया जाता है। इसमें शरीर में निश्चित बिन्दू होते है, इन बिन्दुओं पर विशेष मशीनों से ईलाज किया जाता है। इसमें कोई चीरे की जरूरत नहीं पड़ती है। हजारों मरीज हमारे यहां फायदा उठा चुके है और उठा रहे है।

• क्या आपका चलना-फिरना, उठना-बैठना, सीढ़िया चढ़ना-उतरना या आपके घुटनों की ग्रीस खत्म हो गई है?
• क्या आपके घुटने टेढ़े-मेढ़े हो गए है?
• क्या डॉटरों ने आपको ऑप्रेशन करवाने की सलाह दी है? ऑप्रेशन से पहले एक बार अपने घुटने हमारे अस्पताल में जरूर आकर दिखाए। आपको ऑप्रेशन करवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बिना ऑप्रेशन आपके घुटने बिल्कुल सीधे और ठीक हो जायेंगे। कुछ ही दिनों में आराम आना शुरू हो जाएगा।

• गठिया रोग (पुराने से पुराना) • घुटनों का दर्द • कमर दर्द • हिप ज्वाईंट पेन • शुगर व बी.पी. • सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस

विज्ञापन कभी कभी प्रकाशित होता है। विज्ञापन की कटिंग साथ लाऐं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 जुलाई 2025

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

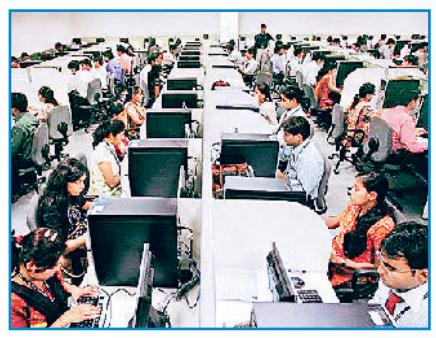

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

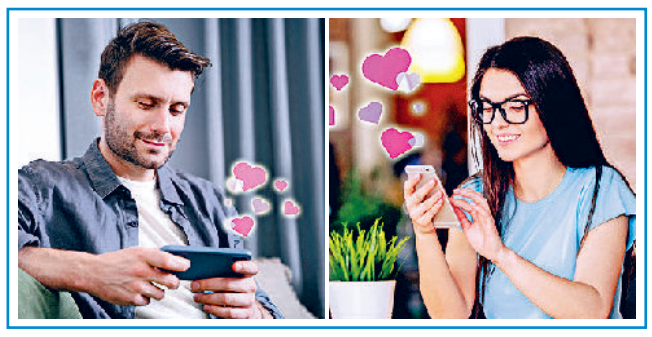

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
संपादक: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

अमेरिकन रेन डांस

बन बंग फाई, थाइलैंड

वर्षा के लिए प्रार्थना करते तिब्बती बौद्ध भिक्षु

वोडू वर्षा नृत्य, हैती

इन दिनों अपने देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है, खूब बारिश हो रही है। लेकिन कई बार समय पर बारिश नहीं होती है। देश, दुनिया के कई हिस्सों में बारिश न होने पर उसके आह्वान को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं। यहां बता रहे हैं कुछ ऐसी ही अजब-अनूठी परंपराओं के बारे में।

बहुत अजब-अनोखी हैं दुनिया में बारिश के आह्वान की रस्में

ट्रेडिशंस
शिखर चंद जैन

एक तरफ जहां अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में लोग भगवान से बारिश रोकने की प्रार्थना करते हैं, वहीं बारिश की कमी वाले दुनिया के कई देशों में लोग बारिश के लिए बादलों, देवताओं और ईश्वरीय शक्तियों का आह्वान करते हैं। इसके लिए तरह-तरह की धार्मिक रीतियों का पालन करते हैं।

अमेरिकी जनजातियों का वर्षा नृत्यः अमेरिका के मैदानी हिस्सों में रहने वाली कई जनजातियों के लोग वर्षा नृत्य करते हैं। यह वर्षा के आह्वान का प्राचीन अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में पारंपरिक पोशाक और पंखों वाले मुकुट या टोपी पहन कर, हाथों में चील के पंख लिए, घंटों तक एक घेरे में गाना, ढोल बजाना और नृत्य करना शामिल है। ऐसा माना जाता है कि वर्षा नृत्य से वर्षा के देवता खुश होकर वर्षा करते हैं।

बन बंग फाई (रॉकेट महोत्सव): थाईलैंड के इसान रीजन और उत्तर-पूर्वी थाईलैंड के कुछ इलाकों में हर वर्ष जून महीने में यह अनोखा रॉकेट त्योहार खेती के मौसम से ठीक पहले मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान ग्रामीण लोग और भिक्षु, बांस या लोहे के पाइप से रॉकेट बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में मंदिर या आस-पास के अन्य इलाकों के चारों ओर एक जुलूस निकाला जाता है, जिसके बाद लोग आकाश में रॉकेट छोड़ते हैं। यह क्रिया 'फाया थाएन' नामक देवता को अर्पित की जाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मौसम के अनुसार बारिश का होना सुनिश्चित करते हैं।

आदिवासी बच्चों का मेंढक नृत्यः ऑस्ट्रेलिया देश के आदिवासी, हजारों सालों से मेंढक नृत्य करते आ रहे हैं। यह नृत्य शुष्क मौसम में किया जाता है, जब मेंढक शांत होते हैं। यह मेंढकों को जगाने और बारिश के आह्वान के लिए किया जाता है। इस नृत्य में मेंढकों की गतिविधियों की नकल करना, मेंढक जैसी आवाजें निकालना, शरीर पर रंग, जानवरों की खाल पहनना, भाले और बूमरैंग लेकर चलना शामिल होता है।

नांग मेव समारोहः थाईलैंड में ही बन बंग फाई के अलावा, थाई किसानों द्वारा देश के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में वर्षा के आह्वान के लिए नांग मेव समारोह भी मनाया जाता है। जब बुवाई का मौसम आता है, तो किसान अपने गांवों या मंदिरों में नांग मेव (बिल्ली) की परेड निकालते हैं, इस उम्मीद में कि जब बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब बारिश हो। ऐसा माना जाता है कि बिल्लियां बारिश से डरती हैं और अगर इस समारोह के दौरान कोई बिल्ली रोती है, तो इसका मतलब माना जाता है कि बारिश होने वाली है।

नांग मेव समारोह, थाईलैंड

केबो-केबोआनः इंडोनेशिया में केबो-केबोआन पारंपरिक समारोह मनाया जाता है। यह पूर्वी जावा के अलियान और अलस्मलांग गांवों में बान्यूवांगी लोगों द्वारा सदियों से मनाया जाता रहा है। यह समारोह बारिश, अच्छी फसल और शुष्क मौसम में आपदाओं से सुरक्षा की प्रार्थना के लिए किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा का पालन ईश्वर की कृपा के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूर्वजों की आत्माओं का आह्वान करता है। भैंसों को इस पारंपरिक समारोह का मुख्य प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे किसानों की गतिविधियों और चावल के खेती से गहराई से जुड़े होते हैं। समारोह के दौरान, लोग भैंसों (केबो) की वेशभूषा धारण करते हैं और उनकी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इसमें कोई वास्तविक जानवर शामिल नहीं होता। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और टुम्पेंग नामक व्यंजन खाने से होती है। टुम्पेंग, जीवन चक्र के प्रतीक माने जाने वाले, चावल के 12 शंकु के आकार के ढेरों से बना एक व्यंजन होता है।

भिक्षुओं द्वारा मंत्रोच्चारः जब भी सूखा पड़ता है या समय पर बारिश नहीं होती है तो तिब्बती भिक्षु, आकाश और जल के देवी-देवताओं से प्राचीन मंत्रों और प्रार्थनाओं का जाप शुरू कर देते हैं। भिक्षुओं का मानना है कि उनके जाप से वातावरण शुद्ध होता है और वर्षा के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनती हैं। यह जाप अकसर पर्वत शिखरों पर किया जाता है।

वोडू वर्षा नृत्यः हैती के लोगों में बारिश बुलाने का अनुष्ठान वोडू वर्षा नृत्य कहलाता है। यह सूखे के दौरान किया जाने वाला एक अनोखा नृत्य है। इसके जरिए कलाकार वोडू धर्म की पवित्र आत्माओं (लोआ) को बारिश के लिए आमंत्रित करते हैं। *

भारत में वर्षा संबंधी विभिन्न समारोह

वरुण यज्ञ अनुष्ठानः वरुण यज्ञ अनुष्ठान, वैदिक हिंदू वर्षा आह्वान अनुष्ठान है। यह आज भी भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। यह अनुष्ठान सनातन धर्म में जल के देवता वरुण को समर्पित है। इसमें मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुति देना और वर्षा हेतु प्रार्थनाएं शामिल होती हैं। यह अनुष्ठान आमतौर पर मानसून के मौसम में उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां बरसात की कमी होती है।

अभिषेकम अनुष्ठानः दक्षिण भारत के किसान विशेष रूप से यह वर्षा-आह्वान अनुष्ठान अपनी उपज बढ़ाने के लिए, वर्षा की प्रार्थना हेतु करते हैं। यह अनुष्ठान हिंदू धर्म में वर्षा के देवता, भगवान इंद्र को समर्पित है। इसमें उनकी मूर्ति पर जल और दूध चढ़ाया जाता है। इसका उद्देश्य वर्षा के देवताओं को प्रसन्न करना और वर्षा लाना है। यह आमतौर पर गर्मी के महीनों में किया जाता है, जब वर्षा कम होती है।

मेंढकों का विवाहः देश के कई हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर, मध्य-पश्चिमी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि के ग्रामीण और कई आदिवासी इलाकों में मान्यता है कि बारिश न होने पर अगर सामूहिक तौर पर मेंढक-मेंढकी का विवाह करवा दिया जाए तो बारिश होती है।

बढ़ती महंगाई के दौर में किसी एक नौकरी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अगर आप पोर्टफोलियो करियर चॉइस अपनाते हैं, तो इससे आपके करियर ग्रोथ और इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर, इसके ऑप्शंस और बेनिफिट्स के बारे में जानिए।

आज के दौर की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रोफेशनल लाइफ / अंजू जैन

एक जमाना था जब लोग बड़े गर्व से बताते थे कि उन्होंने किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी में नौकरी शुरू की और 35-40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वो दौर पिछली सदी का था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एंप्लॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या अच्छा पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। दिनों-दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना ना तो सुरक्षित है, ना बुद्धिमानी। आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है। इसलिए आपको भी पोर्टफोलियो करियर माइंडसेट के बारे में सोचना चाहिए।

पोर्टफोलियो करियर क्या हैः पोर्टफोलियो करियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के कई स्रोतों की व्यवस्था करना। इसके अंतर्गत एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम किए जाते हैं। पोर्टफोलियो करियर में साइड हसल, एकाधिक पार्ट टाइम जॉब्स, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं।

उदाहरण के लिए एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर एक से अधिक व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है।

पोर्टफोलियो करियर के फायदेः पोर्टफोलियो करियर के कई फायदे होते हैं।

बैलेंस्ड पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफः पोर्टफोलियो करियर अपनाने वाले लोग अपनी सुविधानुसार टाइम टेबल और अपनी पसंद का काम चुन सकते हैं। इसमें अकसर घर से काम करने की छूट होती है, जिससे विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कामों के लिए आपको समय मिल जाता है। इससे आपको बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस प्राप्त करने में मदद मिलती है।

एक्सट्रा इनकमः पोर्टफोलियो करियर के साथ आप कई सोर्सेज से इनकम प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी आपका सोर्स ऑफ इनकम बंद नहीं होगा।

नो बाउंडेशनः पोर्टफोलियो करियर के साथ आपको किसी खास तरह की नौकरी के बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी करियर को परख और चुन सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

पोर्टफोलियो करियर शुरू करें ऐसेः अपना पोर्टफोलियो करियर आप कुछ इस तरह शुरू कर सकते हैं।

प्रॉपर प्लानिंग बनाएंः अगर आप अपना पोर्टफोलियो करियर शुरू करने का फैसला करते हैं तो इसकी प्रॉपर प्लानिंग बनाएं और उस पर अमल करें। आप रेग्युलर करियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं या फिर सिर्फ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं।

अपनी स्किल्स को समझेंः इसके लिए अपनी क्रिएटिविटी, स्किल्स और इंट्रेस्ट पर विचार करें ताकि आप यह निर्धारित कर सकें कि आप किस तरह के काम से इनकम के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं। इसके बाद ही उस दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। इससे सफल होने के चांसेज काफी बढ़ जाएंगे।

लोगों के साथ नेटवर्क बनाएंः अपने पोर्टफोलियो करियर को विकसित करने के लिए आप अपने पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें। उन्हें अपने काम के बारे में बताएं। संभव है कि वे आपके लिए उपयुक्त अवसरों के बारे में बता सकें। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक गंगा को भारतीय संस्कृति में पूज्य एवं जीवनदायिनी माना जाता है। इसका केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी बहुत अधिक है। भारतभूमि की जीवनधारा गंगा के प्रवाह और महत्ता पर एक दृष्टि।

सभ्यता-संस्कृति की वाहक पुण्यसलिला-जीवनदायिनी गंगा

नदी गाथा
वीना गौतम

नदियों के किनारे ही संसार की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां विकसित हुई हैं, फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति लोगों की उदासीनता के कारण धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब तो नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ी को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फूलती-फलती रहे।

भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पहचानः गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी ही नहीं है। यह भारतीयता की पहचान और देश की जीवनरेखा भी मानी जाती है। भारतीय जनमानस में इस नदी के प्रति असीम श्रद्धा है। यह न केवल हमें जल प्रदान करती है बल्कि आस्था, सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भी वाहक है। देश की सबसे महत्वपूर्ण और पूज्यनीय नदी गंगा को भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि गंगा में सिर्फ पानी नहीं, एक समूची सभ्यता प्रवाहमान है।

गंगा नदी का प्रवाह तंत्रः गंगा नदी की उत्पत्ति हिमालय के गोमुख हिम नदी से होती है, जहां इसे भागीरथी कहा जाता है। प्रवाह के क्रम में अलकनंदा, जब इस भागीरथी में आ मिलती है, तो उसके बाद से इन दोनों नदियों का संगम गंगा कहलाने लगता है। गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। गंगा के बेसिन में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 26 प्रतिशत से ज्यादा भाग आता है। गंगा जिन अपनी सहायक नदियों के चलते देश की सबसे महान नदी बनती है, उन सहायक नदियों में यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी और सोन नदी प्रमुख हैं। गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है तथा अंत में बांग्लादेश में प्रवेश कर पद्मा के रूप में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

बसे हैं कई तीर्थस्थलः गंगा नदी देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों से होकर बहती है। साथ ही यह देश के कई पवित्र तीर्थस्थलों की पुण्य सलिला भी है। गंगा नदी के किनारे ही हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयागराज और गंगा सागर जैसे पवित्र तीर्थस्थल हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय सभ्यता के आधार हैं।

एक जीवंत भौगोलिक संसाधनः भौगोलिक दृष्टि से गंगा बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है। गंगा घाटी का क्षेत्र भारत की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में गंगा के जल से सिंचाई, जल परिवहन और पेय जल की लगभग समूची व्यवस्था बनती है, जो इसे एक जीवंत भौगोलिक संसाधन के रूप में बदलती है। गंगा घाटी क्षेत्र में बसने वालों के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि जीवनधारा है।

धार्मिक-सांस्कृतिक महत्वः हिंदू धर्म में गंगा को केवल नदी या जलधारा नहीं माना जाता, बल्कि इसे माता, देवी और मोक्षदायिनी का दर्जा प्राप्त है। गंगा के जल को अमृत के तुल्य माना जाता है। इसलिए भारत के हर धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान में गंगा जल का इस्तेमाल होता है। यही नहीं, मोक्ष की कामना रखने वाले हर धार्मिक हिंदू की यह ख्वाहिश होती है कि उसकी मृत्यु के पश्चात उसके मुंह में गंगा जल की कुछ बूंदें डाली जाएं और उसकी चिता की राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाए। आरंभ से लेकर आज तक गंगा भारतीय मानस में आस्था एवं श्रद्धा के रूप में प्रवाहित हो रही है। गंगा का उल्लेख वैदिक ग्रंथों से लेकर भारतीय साहित्य, कला, संगीत और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। गंगा का उल्लेख हमारे राष्ट्रगान में भी मिलता है।

गंगा का आर्थिक महत्वः भारत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गंगा के बेसिन क्षेत्र में बसता है और यह क्षेत्र देश के कृषि, उद्योग और व्यापार की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। गंगा का जल उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड के एक बड़े हिस्से में सिंचाई का सबसे बड़ा स्रोत है। गंगा, यमुना के दोआब की भूमि गेहूं, गन्ना और दलहन की खेती के लिए मशहूर है। हरित क्रांति की सबसे बड़ी प्रयोग भूमि यही गंगा का मैदान था।

गंगा के किनारे कोलकाता, कानपुर, भागलपुर, वाराणसी और पटना जैसे देश के कई औद्योगिक नगर बसे हैं। चमड़ा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली संयंत्र, कागज उद्योग जैसे कई औद्योगिक संयंत्र स्थापित हैं। हाल के दशकों में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 परियोजना के तहत हल्दिया से वाराणसी तक जल परिवहन को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे गंगा सस्ते और एक पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन का भी आधार बन गई है।

चुनौतियां हैं कईः गंगा के समक्ष आज अनेक चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। दरअसल, गंगा के जल पर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसांख्यिकी दबाव है। जितने लोग गंगा नदी पर आश्रित हैं, उतने लोग दुनिया में किसी और नदी पर अपने जीवनयापन और सभी तरह की पहचान के लिए आश्रित नहीं हैं। इसलिए गंगा पर अतिरिक्त जन दबाव, औद्योगिक प्रदूषण, अपशिष्ट जल के साथ-साथ धार्मिक कर्मकांडों एवं प्रदूषण की भी मार है। गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे मिशन जैसी योजना चलाई जा रही है। अनेक जलशुद्धि सयंत्रों की स्थापना की गई है। *

हिंदी फिल्में नायक, नायिका और खलनायकों के बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में मदद करती रही हैं, एक बड़ी पहचान दी है। इसके साथ इनके पैरों का फिल्मों में बहुत ही करिश्माई अंदाज में फिल्मांकन हुआ, जिसने सस्पेंस, रोमांच, एक्शन, रोमांस क्रिएट करके फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में इंपॉर्टेंट रोल अदा किया है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

पर्दे पर पैरों का करिश्मा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी सिनेमा की शुरुआत से लेकर आज तक कई सितारों ने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए। कई बार तो नायक-नायिकाओं के पैरों के फिल्मांकन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके पैर जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

फिल्म में हीरो से पहले उसके पैरों की एंट्रीः फिल्म 'फूल और पत्थर' में नायक धर्मेंद्र की एंट्री छोटे-छोटे पैरों से सड़क पर चढ़ते हुए और बड़े पैरों से सड़क से उतरते हुए थी, जिसे बहुत पसंद किया गया। इसके बाद तो कई फिल्मों में पैरों का शॉट दिखाकर नायक को बच्चे से बड़ा दिखाने के प्रयोग किए गए।

पैरों ने क्रिएट किया सस्पेंस-एक्शनः देव आनंद की 'ज्वेल थीफ' में भी पांव को लेकर सस्पेंस दिखाया गया। नायिका कहती है कि नायक के पैरों में छह अंगुलियां हैं, वह पैर दिखाए। लेकिन वह टालमटोल करता है, जिससे सस्पेंस बढ़ता जाता है। बाद में नायक जिस अंदाज से मौजे उतारता है, वह दृश्य देखने लायक होता है। फिल्म 'शोले' में हाथ कटे ठाकुर (संजीव कुमार) की असमर्थता तब शौर्य में बदल जाती है, जब फिल्म के क्लाइमेक्स में वह अपने पैरों में पहने कील लगे जूतों से गब्बर सिंह (अमजद खान) को मारता है। ठाकुर के पैर की हर ठोकर पर सिनेमा हॉल तालियों और सीटियों से गूंज उठता। 'शोले' में ही गब्बर सिंह को भी चट्टान पर बेल्ट लेकर घूमते दिखाया गया, तब कैमरा उसके पैरों पर ही फोकस होता है।

शम्मी कपूर की फिल्म 'चायना टाउन' में नायक के हमशक्ल के पैरों का आकार छोटा होने से कहानी में मोड़ आता है, तो सलीम जावेद ने 'यादों की बारात' में एक नया प्रयोग किया। इसमें खलनायक अजीत के दोनों पैरों के आकार में अंतर होता है। वह एक पैर में 9 नंबर और दूसरे पैर में 10 नंबर का जूता पहनता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में जब टेबल पर अजीत के दोनों जूते दिखाए जाते हैं, तो फिल्म के नायक धर्मेंद्र उसे पहचान लेते हैं। इसके साथ ही फिल्म का रोमांच चरम सीमा पर पहुंच जाता है।

नायिकाओं के हसीन पैरः हिंदी फिल्मों में नायिका के हसीन पैरों पर भी कई आइकॉनिक दृश्य और गीत फिल्माए गए। फिल्म 'पाकीजा' में मीना कुमारी के पैरों की खूबसूरती ने खूब करिश्मा किया। बिना चेहरा देखे, रेल की सीट पर मीना कुमारी के पैर देखकर राजकुमार एक चिट्ठी छोड़ जाते हैं, जिस पर लिखा होता है 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे।'

याद कीजिए फिल्म 'शोले' का वो डायलॉग जिसमें गब्बर सिंह बसंती से कहता है 'जब तक तेरे पैर चलेंगे, उसकी सांस चलेगी। जब तेरे पैर रुके, तो ये बंदूक चलेगी।'

फिल्म 'मिस मेरी' में बचपन में बिछड़ी नायिका के पैरों की छह अंगुलियां, उसे अपने परिवार से मिलाती है तो 'नाचे मयूरी' में सुधा चंद्रन के नकली पैरों से नर्तकी बनने की कहानी कही गई।

जब नायिकाओं के पैरों की बात आती है, तो जाहिर है वह सुंदर तो होंगे ही। 'मेरे पांव में मेहंदी लगी है', 'आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे', 'पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', जैसे कितने ही मधुर और सदाबहार गीत नायिका के पैर को ध्यान में रखकर रचे गए।

पैरों से उभारी गई संवेदनाः कई फिल्मों में नायक के पैरों को कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे रोमांच के साथ-साथ संवेदना भी जगती है। मिसाल के तौर पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' को देखा जा सकता है। एक पैर से दिव्यांग और आंख की रोशनी खो चुके व्यक्ति की दोस्ती पर आधारित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाते हुए उस समय की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था। फिल्मों में गरीबी और मजबूरी दिखाने के लिए भी निर्माताओं ने कभी नायक को, कभी नायिका को तो कभी सहनायिका या सहनायक को पैरों से दिव्यांग बनाने का फार्मूला आजमाया। 'उपकार' का मलंग, 'हीर रांझा' का एक पैर से अशक्त मामा, 'सच्चा झूठा' और 'मजबूर' की पैरों से दिव्यांग बहन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसी तरह फिल्म 'शान' में चलने में अक्षम अब्दुल (मजहर खान) का मुखबिर का किरदार भी काफी लोकप्रिय हुआ था। *

'शोले' में अमजद खान के साथ संजीव कुमार

'उपकार' में मलंग के किरदार में प्राण

राजकुमार के पैर और सफेद जूते

याद कीजिए फिल्मों के वे सीन, जिनमें पर्दे पर हीरो से पहले उसके सफेद जूते दिखाए जाते थे और दर्शक जान जाते थे कि अब सीन में किसकी एंट्री होने वाली है। 'हमराज' और 'वक्त' में राजकुमार की जानदार एंट्री तो आपको याद ही होगी। इन फिल्मों में जैसे ही परदे पर राजकुमार के सफेद जूते दिखाई देते, दर्शक तालियों से उनका स्वागत करते। राजकुमार खुद इस तथ्य से वाकिफ थे, वे अकसर बी.आर. चोपड़ा से मजाक में कहा करते थे, 'जानी, सुना है आजकल आप हमारे जूतों की कमाई खा रहे हैं।'